



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 4
PART III—Section 4

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 43]
No. 43]

नई दिल्ली, बुधवार, मई 26, 1999/ज्येष्ठ 5, 1921
NEW DELHI, WEDNESDAY, MAY 26, 1999/JYAISTHA 5, 1921

महापत्तन प्रशुल्क प्राधिकरण

अधिसूचना

मई दिल्ली, 26 मई, 1999

सं० टी०ए०एम०पी०/7/98-एम०बी०पी०टी०.—महापत्तन न्यास अधिनियम, 1963 (1963 का 38) की धारा 49-क द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए महापत्तन प्रशुल्क प्राधिकरण एतद्वारा संलग्न आदेशानुसार गोदियों में वसूल किए जा रहे मुंबई पत्तन न्यास के दरमानों को संशोधित करता है।

मामला सं० टी ए एम पी/7/98-एम बी पी टी

मुंबई पत्तन न्यास (एम बी पी टी)

----- आवेदक

आदेश

(9 मई, 1999 को पारित)

यह मामला मुंबई पत्तन न्यास (एम बी पी टी) द्वारा विभिन्न गोदियों में पोतों, नौकाओं और बजरो के बर्थ भाड़ा प्रभारों के दरमानों को संशोधित करने के लिए किए गए एक प्रस्ताव से संबंधित है।

2. पोतों से संबंधित मिश्रित बर्थ भाड़ा प्रभारों को एम बी पी टी द्वारा टी ए एम पी के अनुमोदन से अंत में 1 नवम्बर, 97 से संशोधित किया गया था। मिश्रित बर्थ भाड़ा प्रभारों को वसूल करने की इकाई पोतों का जी आर टी (सकल रजिस्टर्ड टन भार) है और प्रभार पोत के प्रति जी आर टी प्रतिदिन लगाए जाते हैं। इस प्रकार प्रभार की इकाई 24 घंटे है। कोई रियायत अवधि नहीं दी जाती है और एक दिन के पश्चात् बर्थ पर कुछ मिनट ठहरने के लिए भी पूरे दिन के बर्थ भाड़ा प्रभार वसूल किए जाते हैं।

3. 24 घंटे की न्यूनतम इकाई को किसी छोटी इकाई में कम करने के मुद्दे पर प्राधिकरण और प्रयोक्ताओं का ध्यान आकर्षित होता रहा है। इस मुद्दे पर फरवरी, 1981 में चेन्नई में आयोजित वर्कशाप में विचार-विमर्श किया गया था। वर्कशाप में इस मुद्दे पर सर्वसम्मति से एक दिशा-निर्देश पारित किया गया था। दिशा-निर्देश संख्या 40 का पाठ निम्नप्रकार है :-

"पोत के बर्थ पर आने और वहाँ पर होने वाले विलम्ब से संबंधित समस्या आती रही है। टी ए एम पी को इन दोनों समस्याओं से निपटने का कोई तरीका अवश्य खोजना चाहिए। बर्थों पर होने वाले विलम्ब के संबंध में ही दो प्रकार की समस्याएँ हैं—जलयान के समय को व्यर्थ करने से उत्पन्न क्षतियों और अयुक्तिसंगत बर्थ भाड़ा प्रभारों को लगाना। हालांकि टी ए एम पी के लिए जलयान के समय को व्यर्थ करने से हुई क्षतियों जैसे मुद्दों की जांच करना संभव नहीं है, फिर भी, उसे निश्चित रूप से अन्य मुद्दों की जांच करनी चाहिए और बर्थ भाड़ा प्रभारों को युक्तिसंगत बनाना चाहिए। बर्थ भाड़ा प्रभारों को 24 घंटे के आधार पर नियत करने की वर्तमान परम्परा की बजाय 8 घंटे के प्रभारों को लागू करना अधिक वास्तविक होगा।"

4. एम बी पी टी का वर्तमान प्रस्ताव दिशा-निर्देश के अत्यधिक अनुरूप है। एम बी पी टी के लिए 1997 में बर्थ भाड़े का अनुमोदन करते हुए भी इस प्राधिकरण ने दिनांक 22 अगस्त, 1997 के अपने आदेश में अन्य बातों के साथ-साथ निम्नलिखित अभ्युक्ति की थी :-

प्रस्ताव में '24 घंटे' के आधार पर प्रभार वसूल करने की परम्परा रखी गई है। विस्तृत. इससे पोतों पर बहुत ही अधिक भार (और कुछ मामलों में अनुचित) पड़ता है। प्रभार वसूलने के लिए कोई वैकल्पिक इकाई अर्थात् 'प्रति घंटा' अथवा 'प्रति 3 घंटा' प्रभार वसूल करने के संबंध में विचार कर सकते हैं। प्राधिकरण द्वारा इस मुद्दे को सभी पक्षों के लिए सामान्य रूप से विस्तृत विश्लेषण के लिए उठाने का निर्णय किया है। इस परिस्थिति में वर्तमान परम्परा के इस विचार से जारी रखने की अनुमति दी जाती है कि इस पर लगभग छह महीनों के पश्चात् पुनः विचार किया जाएगा।"

5. तदनुसार, एम बी पी टी ने इस मामले पर पुनः विचार किया और प्रति 8 घंटे के आधार पर मिश्रित बर्थ भाड़ा प्रभार निर्धारित करने का प्रस्ताव किया। प्रतिदिन अथवा उसके किसी भाग के लिए प्रतिदिन 14 अमरीकी सेंट की विदेशगामी पोतों पर लागू विद्यमान दर को 8 घंटे की अवधि अथवा उसके किसी भाग के लिए प्रति जी आर टी 4.70 अमरीकी सेंट पर निर्धारित करने का प्रस्ताव किया गया है। जहाँ तक तटगामी पोतों का संबंध है, एम बी पी टी ने प्रति जी आर टी प्रति दिन अथवा किसी भाग के लिए 2.20 रु० की अपेक्षा 8 घंटे की अवधि अथवा उसके किसी भाग के लिए 0.75 रु० का प्रस्ताव किया है। पहले से अनुमोदित दरों में कोई परिवर्तन नहीं हुआ है। एम बी पी टी ने बताया है कि प्रस्तावित संशोधन से राजस्व में लगभग 5 से 6% तक कमी हो जाएगी।

6. एम बी पी टी के वर्तमान प्रस्ताव पर बोर्ड द्वारा 8 दिसम्बर, 98 को हुई अपनी बैठक में विचार किया गया है और इसे अनुमोदित कर दिया गया है।

7. एम बी पी टी के प्रस्ताव को टिप्पणियों के लिए एम ए एन एस ए ए, आई एन एस ए, सी एस एल ए, एस सी आई, नौवहन महानिदेशक और सी सी आई (मुंबई) में परिचालित किया गया था। सी एस एल ए, आई एन एस ए, एस सी आई, नौवहन महानिदेशक, और सी सी आई(मुंबई) से टिप्पणियां प्राप्त हुई हैं। एम ए एन एस ए ए से टिप्पणियां प्राप्त नहीं हुई हैं। सी एस एल ए ने प्रस्ताव पर सहमति व्यक्त करते हुए न्यूनतम अवधि को और कम करके 2 अथवा 4 घंटे करने का सुझाव भी दिया है। सी सी आई(मुंबई) और एस सी आई ने प्रस्ताव का समर्थन किया है। नौवहन महानिदेशक ने बताया है कि उन्होंने कोई टिप्पणी नहीं करनी है। आई एन एस ए ने प्रस्ताव का मूल्यांकन करते हुए सुझाव दिया कि पोत के बर्थ पर आने के पश्चात् यदि (शिफ्ट) का समय 50% से कम रह जाए तो प्रभार वसूल न किए जाएं अथवा कोई रियायती प्रभार वसूल किए जाएं। इस सुझाव को एम बी पी टी को भेजा गया था जिन्होंने कहा है कि पोत के बर्थ समय का पत्तन शिफ्ट के घंटों से बिल्कुल संबंध नहीं है और पत्तन द्वारा किया गया प्रस्ताव उचित है। हम एम बी पी टी के उत्तर को उचित समझते हैं।

8. चूंकि एम बी पी टी का वर्तमान प्रस्ताव चेन्नई में पारित हमारे दिशा-निर्देश के अनुसार है और एम बी पी टी के संबंध में महापत्तन प्रशुल्क प्राधिकरण के दिनांक 22 अगस्त, 97 के आदेश के अनुरूप भी है, इसलिए प्राधिकरण वर्तमान 24 घंटे के आधार के बजाय 8 घंटे के आधार पर मिश्रित बर्थ भाड़ा प्रभारों को संशोधित करने के एम बी पी टी के प्रस्ताव का निम्नानुसार अनुमोदन करता है :-

एम बी पी टी के गोबियों में वसूल किए जाने वाले दरमानों के मौजूबा खंड IV का विलोपन करके उसके स्थान पर निम्नलिखित का प्रतिस्थापन कीजिए :-

खंड-IV

मिश्रित बर्थ भाड़ा प्रभार

- (1) इंदिरा गोदी और इस की पोताश्रय भित्ति (हार्बर वाल) और बलार्ड पियर तथा बलार्ड पियर एक्सटेंशन, प्रिसेस एवं विक्टोरिया गोदियों और इस पोताश्रय भित्तियों पर आए

पोतों, नौकाओं और बजरो के मास्टरों अथवा मालिकों अथवा एजेंटों अथवा चार्टरकर्ताओं द्वारा ऐसे पोतों, नौकाओं और बजरो के लिए निम्नलिखित दरों पर बर्थ भाड़ा प्रभार देय होंगे :-

| क्रम सं० | पोत की किस्म | आठ घंटे की अवधि अथवा इस के किसी भाग के लिए प्रति जी आर टी दर | |
|----------|---------------|--|-------------|
| | | रु० | अमरीकी सेंट |
| 1. | तटगामी पोत | 0.75 | - |
| 2. | विदेशगामी पोत | - | 4.70 |

टिप्पणी :-

उक्त प्रभारों को वसूल करने के प्रयोजनार्थ :-

- (i) किसी पोत की न्यूनतम जी आर टी 1000 मानी जाएगी, और
 - (ii) 'पोत' शब्द में 1000 और इससे अधिक जी आर टी की नौकाएं, बजरे और क्राफ्ट शामिल होंगे।
- (2) बर्थ भाड़ा किसी पोत के बर्थ पर आने के समय से बर्थ को छोड़ने के समय तक वसूल किया जाएगा।
- (3) रविवारों और गोदी उप-नियम सं० 118 के अंतर्गत घोषित की गई छुट्टियों को उक्त प्रभार वसूल करने के लिए सामान्य कार्य दिवस समझा जाएगा और कोई अलग प्रभार वसूल नहीं किए जाएंगे।
- (4) (i) 'तटगामी पोत' का अभिप्राय भारत में किसी पत्तन अथवा किसी स्थान से समुद्री मार्ग द्वारा यात्रियों अथवा माल की भारत संघ के भीतर किसी अन्य पत्तन अथवा स्थान तक बुलाई करने में कार्यरत किसी पोत से है।
- (ii) 'विदेशगामी पोत' का अभिप्राय भारत में किसी पत्तन अथवा स्थान से भारत संघ के बाहर किसी पत्तन अथवा स्थान तक समुद्री मार्ग द्वारा यात्रियों अथवा माल की बुलाई में कार्यरत किसी पोत से है।
- (iii)(क) भारतीय ध्वज का कोई विदेशगामी पोत जिसके पास सामान्य व्यापार लाइसेंस हो, सीमा शुल्क के परिवर्तन आदेश के आधार पर तटीय यात्रा में परिवर्तित हो सकता है।
- (ख) विदेशी ध्वज का कोई विदेशगामी जलयान नौवहन महानिदेशक द्वारा जारी तटीय यात्रा लाइसेंस के आधार पर तटीय यात्रा में परिवर्तित हो सकता है।

- (ग) ऐसे परिवर्तन के मामले में तटीय दरें लदान पत्तन द्वारा तटीय माल का पोत में लदान शुरू करने के समय से वसूल की जाएंगी।
- (घ) ऐसे परिवर्तन के मामले में तटीय दरें केवल तभी तक लागू होंगी जब तक पोत के उतराई प्रचालन पूरे हों, उसके तुरन्त पश्चात् उतराई पत्तनों द्वारा विदेशगामी दरें वसूल की जाएंगी।
- (ङ) नौवहन महानिदेशक से तटगामी लाइसेंस प्राप्त आबद्ध भारतीय तटगामी पोतों के लिए तटीय दरों का हकदार होने के लिए किसी अन्य दस्तावेज की आवश्यकता नहीं होगी।
- (5) गोदियों में प्रवेश करने वाली 1000 से कम जी आर टी की प्रत्येक नौका और विहार नौका (प्लेजर याट) और लैश बजरे पर प्रथम 200 जी आर टी अथवा उसके किसी भाग के लिए आठ घंटे की अवधि अथवा उसके किसी भाग के लिए 34 रु०/2.70 अमरीकी डालर का और तटगामी/विदेशगामी जलयानों के संबंध में प्रत्येक अतिरिक्त 100 जी आर टी अथवा उसके किसी भाग पर आठ घंटे की अवधि अथवा उसके किसी भाग के लिए क्रमशः 17 रु०/1.35 अमरीकी डालर का बर्थ भाड़ा प्रभार लगाया जाएगा। यह रियायती दर देशी क्राफ्टों, नौकाओं और बजरों के लिए स्वीकार्य होगी चाहे वे स्व-नोदित हों अथवा नहीं और विदेशी अथवा तटगामी व्यापार के लिए चल रहे हों। रियायती दरें लैश बजरों और विहार नौकाओं के टनभार को ध्यान में न रखते हुए उनके लिए भी स्वीकार्य होंगी। प्रत्येक बजरे को एक अलग पोत मानकर उससे अलग बर्थ भाड़ा प्रभार वसूल किए जाएंगे। तथापि, जब बजरे व्हार्फ क्रेन का प्रयोग करें तो उक्त (1) में यथा निर्धारित मिश्रित बर्थ भाड़ा प्रभार लगाए जाएंगे।
6. इस खंड में विदेशगामी पोतों के लिए निर्धारित प्रभार विदेशी और भारतीय शिपिंग लाइनों/एजेंटों से पत्तन पर पोत के पहुंचने की तारीख को भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा अधिसूचित दर पर समान भारतीय रुपयों में वसूल किए जाएंगे।

एम. सत्यम, अध्यक्ष

[विज्ञापन/3/4/143/99(असाधारण)]

TARIFF AUTHORITY FOR MAJOR PORTS

NOTIFICATION

New Delhi, the 26th May, 1999

No. TAMP/7/98-MBPT.—In exercise of the powers conferred under Section 49-A of the Major Ports Trusts Act, 1963 (38 of 1963), the Tariff Authority for Major Ports hereby makes amendment to the Mumbai Port Trust Scale of Rates charged at the docks as in the Order appended hereto.

Case No. TAMP/7/98-MBPT

The Mumbai Port Trust (MBPT)

--- Applicant

ORDER

(Passed on this 9th day of May 99)

This case related to a proposal made by the Mumbai Port Trust (MBPT) to amend the Scale of Rates of berth hire charges on vessel, boats and barges at various docks.

2. The composite berth hire charges on vessels were last revised by MBPT with effect from 1 November 97 with the approval of the TAMP. The unit of levy of composite berth hire charges is the GRT of the vessels and the charges are leviable per GRT of the vessel per day. Thus the unit of charge is 24 hours. There is no grace period allowed and even for a few minutes stay at the berth beyond a day berth hire charges are recovered for full day.

3. The issue regarding reduction of the minimum unit of 24 hours into a smaller unit has been engaging the attention of the Authority and the users. The issue was discussed in the Workshop held in Chennai in February 98. The Workshop adopted a unanimous Guideline on the point. Guideline No.40 reads as follows:

"There have been problems relating to delays both in berthing and at berths. The TAMP must find a way of dealing with both these problems. Even in respect only of delays at berths, there are two types of problems—damages caused by loss of ship time and irrational application of berth hire charges. Even if it is not possible for the TAMP to go into issues like damages caused by loss of ship time, it must definitely go into the other issue and rationalise berth hire charges. Instead of the current practice of denoting berth hire charges on a 24-hour basis. It will be more realistic to adopt a '8-hourly' charge."

4. The present proposal of the MBPT is strictly in line with this Guideline. Also, while approving the berth hire for MBPT in 1997, in its order dated 22 august 97, this Authority observed inter-alia as follows:

"The proposal has maintained the practice of charging on a '24-hourly' basis. In real terms, this casts a very heavy (and, in some cases, unjustified) burden on vessels. We may have to consider some alternative

'units' for charging, i.e., 'hourly' or '3-hourly' charges. It has been decided by the Authority to take up this issue for a detailed analysis commonly for all the Ports. In the circumstance, the current practice is allowed to be continued subject to the understanding that it will be re-opened for reconsideration after about six months."

5. Accordingly, the MBPT has reconsidered the matter and proposed to prescribe the composite berth hire charges on an 8 hourly basis. The existing rates of 14 US cents per day or part thereof applicable to foreign going vessels is proposed to be fixed at 4.70 US cents per GRT for a period of 8 hours or part thereof. As regards coastal vessels, the MBPT has proposed Rs.0.75 per GRT for a period of 8 hours or part hereof instead of Rs.2.20 per GRT per day or part thereof. There is no change in the rates already approved. The MBPT have stated that the proposed amendment will result in a reduction in revenue to the tune of 5 to 6% approximately.

6. The present proposal of the MBPT has been considered by the Board in its meeting held on 8 December 98 and was approved.

7. The proposal of the MBPT was circulated for comments to MANSAA, INSA, CSLA, SCI, DG (Shipping), and CCI (Mumbai). Comments from CSLA, INSA, SCI, DG (Shipping), and CCI (Mumbai) have been received. Comments from MANSAA have not been received. The CSLA while agreeing with the proposal has also suggested for a further reduction of the Minimum period to 2 or 4 hours. CCI (Mumbai) and SCI have also supported the proposal. DG (Shipping) have stated that they have no comments to offer. INSA while appreciating the proposal have suggested that after the vessel takes the berth and shift time available is less than 50%, then either no charge shall be levied or only a concessional charge shall be levied. This was referred to MBPT who have stated that the vessel berth time has no relation whatsoever with the port shift hours and that the proposal made by the port is reasonable. We feel that the reply of MBPT is justified.

8. Since the present proposal of MBPT is in accordance with our Guideline adopted at Chennai and also in line with the TAMP's order dated 22 August 97 in respect of the MBPT, this Authority approves the proposal of the MBPT to amend the composite berth hire charges on an 8 hourly basis instead of the existing 24 hours basis as given below:

Delete the existing Section IV of the MBPT Scale of Rates charged at the Docks and substitute therefor the following:

SECTION IV

COMPOSITE BERTH HIRE CHARGES

- (1). Berth Hire charges on vessels, boats and barges berthed at Indira Dock and its harbour wall, including Ballard Pier and Ballard pier

Extension, Prince's & Victoria Docks and its harbor walls shall be payable by Masters or Owners or Agents or Charterers of such vessels, boats and barges at the following rates:

| <u>S.No.</u> | <u>Type of Vessel</u> | <u>Rate per GRT for a period of eight hours or part thereof</u> | |
|--------------|-----------------------|---|-----------------|
| | | <u>Rs.</u> | <u>US cents</u> |
| 1. | Coastal Vessel | 0.75 | -- |
| 2. | Foreign going vessel | -- | 4.70 |

Note:

For the purpose of levy of the above charges:-

- (i) the minimum GRT for any vessel will be taken as 1000; and,
 - (ii) the term 'vessel' will include the Boats, Barges and Craft of GRT of 1000 and above.
- (2). The berth hire shall be leviable from the time a vessel takes the berth till the time it leaves the berth.
- (3). Sundays and Docks Holidays declared under Docks Bye-Law No.118 will be treated as normal working days for levy of the above charges and no separate charge will be levied.
- (4). (i). 'Coastal Vessel' means a vessel engaged in the carriage by sea of passengers or goods from any Port or place in India to any other Port or place within the Union of India. Such vessels include the vessels pertaining to coast Guard / Indian Navy.
- (ii). 'Foreign going Vessel' means a vessel engaged in carriage by sea of passenger or goods from any Port or place in India to any other Port or place outside the Union of India.
- (iii). (a). A foreign going vessel of Indian flag having a General Trading Licence can convert to coastal run on the basis of a Customs Conversion Order.
- (b). A foreign going vessel of foreign flag can convert to coastal run on the basis of a Coastal Voyage licence issued by the Director General of Shipping.

- (c). In case of such conversion, coastal rates shall be chargeable by the load port from the time the vessel starts loading coastal goods.
 - (d). In case of such conversion coastal rates shall be chargeable only till the vessel completes discharging operations; immediately thereafter, foreign going rates shall be chargeable by the discharge ports.
 - (e). For dedicated Indian coastal vessels having a coastal licence from the Director General of Shipping, no other document will be required to be entitled to coastal rates.
- (5). Every Boat and country craft of less than 1000 GRT and pleasure yacht and a lash barge entering the Docks shall be levied berth hire charges of Rs.34 / US \$ 2.70 for a period of eight hours or part thereof for the first 200 GRT or part thereof and Rs.17 / US \$ 1.35 for a period of eight hours or part thereof for every additional 100 GRT or part thereof in respect of coasting / foreign going vessels respectively. This concessional rate will be admissible to local crafts, boats and barges whether self propelled or not and plying in foreign and coastal trade. The concessional rates shall also be admissible to lash barges and pleasure yacht irrespective of their tonnage. Each barge will be separately charged berth hire charges treating each as a distinct vessel. However, when the barges make use of wharf crane, the composite berth hire charges as prescribed at (1) above shall be levied.
- (6). The charges prescribed for foreign going vessels in this section will be collected from foreign as well as Indian Shipping Lines / Agents in equivalent Indian Rupees at the rate notified by the Reserve Bank of India on the date of arrival of the vessel at the Port.

S. SATHYAM, Chairman

[ADVT/III/IV/143/99/Exty]

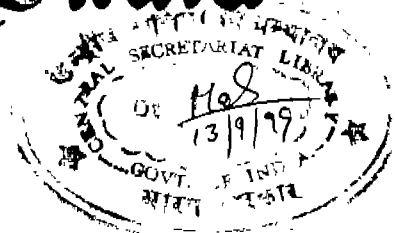


भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 4
PART III—Section 4

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY



सं. 43]
No. 43]

नई दिल्ली, बुधवार, मई 26, 1999/ज्येष्ठ 5, 1921
NEW DELHI, WEDNESDAY, MAY 26, 1999/JYAISTHA 5, 1921

महापत्तन प्रशुल्क प्राधिकरण

अधिसूचना

नई दिल्ली, 26 मई, 1999

सं० टी०ए०एम०पी०/7/98-एम०बी०पी०टी०.—महापत्तन न्यास अधिनियम, 1963 (1963 का 38) की धारा 49-क द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए महापत्तन प्रशुल्क प्राधिकरण एतद्वारा संलग्न आदेशानुसार गोदियों में वसूल किए जा रहे मुंबई पत्तन न्यास के दरमानों को संशोधित करता है।

मामला सं० टी ए एम पी/7/98-एम बी पी टी

मुंबई पत्तन न्यास (एम बी पी टी)

----- आयेदक

आदेश

(9 मई, 1999 को पारित)

यह मामला मुंबई पत्तन न्यास (एम बी पी टी) द्वारा विभिन्न गोदियों में पोतों, नीकाओं और बजरों के बर्थ भाड़ा प्रभारों के दरमानों को संशोधित करने के लिए किए गए एक प्रस्ताव से संबंधित है।

2. पोतों से संबंधित मिश्रित बर्थ भाड़ा प्रभारों को एम बी पी टी द्वारा टी ए एम पी के अनुमोदन से अंत में 1 नवम्बर, 97 से संशोधित किया गया था। मिश्रित बर्थ भाड़ा प्रभारों को वसूल करने की इकाई पोतों का जी आर टी (सकल रजिस्टर्ड टन भार) है और प्रभार पोत के प्रति जी आर टी प्रतिदिन लगाए जाते हैं। इस प्रकार प्रभार की इकाई 24 घंटे है। कोई रियायत अवधि नहीं दी जाती है और एक दिन के पश्चात् बर्थ पर कुछ मिनट ठहरने के लिए भी पूरे दिन के बर्थ भाड़ा प्रभार वसूल किए जाते हैं।

